No. of Printed Pages : 3

MHD–3

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एच.डी.–3 : उपन्यास एवं कहानी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) निम्नलिखित में से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. 'गोदान' में अभिव्यक्त किसानों के आर्थिक-सामाजिक शोषण का विवेचन कीजिए। 20

2. आंचलिकता के निकष पर 'धरती धन न अपना' का मूल्यांकन कीजिए। 20

3. 'मैला आँचल' में अभिव्यक्त राजनीतिक संदर्भों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए। 20

4. 'गंगी' की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 20

5. 'पाजेब' कहानी की शिल्पगत विशेषताएँ लिखिए। 20

6. नई कहानी आंदोलन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसमें मन्नू भंडारी के योगदान की चर्चा कीजिए। 20

7. युगीन यथार्थ और अस्मिता-बोध के संदर्भ में 'एक दिन का मेहमान' की समीक्षा कीजिए। 20

8. 'बिरमा' की चारित्रिक विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×10=20

(क) 'तिरिछ' और 'पिता' कहानी की तुलना

(ख) 'रोज़' कहानी का शिल्प

(ग) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में नारी-चेतना

(घ) 'ज्ञानो' का चरित्र

× × × × × × ×